Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 29-07-2005
Participants : Singh Shri Mohan,Lalu Prasad Shri

Title: Regarding Explosion on 2391 Patna-New Delhi Shramjeevi Express between Harpalganj-Koiripur railway stations.

-

16.29 hrs.

STATEMENT BY MINISTER

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : 28.07.2005 को लगभग 5.27 बजे शाम उत्तर प्रदेश राज्य में उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के जौनपुर-सुल्तानपुर सैक्शन में हरपालगंज और कोइरीपुर रेलवे स्टेशनों के बीच 2391 राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रैस में हुए विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में, मैं अत्यंत दुख के साथ सदन को जानकारी दे रहा हूं।

जब यह गाड़ी उक्त दो स्टेशनों के बीच चल रही थी उस समय इस गाड़ी के जनरल डिब्बे में यह विस्फोट हुआ, जिसमें 9 यात्रियों की जानें गईं, 16 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए और 45 यात्रियों को मामूली चोटें आईं। एक यात्री ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, दूसरे यात्री की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई और 7 यात्रियों की बदलापुर अस्पताल में मृत्यु हो गई। घायल यात्रियों को वाराणसी एवं जौनपुर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही वाराणसी, फैजाबाद और लखनऊ से रेलवे डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की टीमों के साथ दुर्घटना राहत चिकित्सायान (Accident Relief Cum Medical Vans) घटना स्थल के लिए रवाना कर दिए गए। लखनऊ और वाराणसी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी अपने डॉक्टरों और आवश्यक कर्मचारियों एकं अधिकारियों के दल के साथ तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना हो गए।

घटना स्थल पर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए मैं भी अविलंब घटना स्थल पर पहुंच गया। नई दिल्ली से रेल राज्य मंत्री श्री नारणभाई जे.राठवा, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, रेल सुरक्षा बल के महानिदेशक और रेलवे स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक भी घटनास्थल पर पहुंचे। हम घायलों का हालचाल पूछने के लिए विभिन्न अस्पतालों में गए। मैं स्वयं भी अस्पतालों में गया।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर परिमंडल इस घटना की वैधानिक जांच करेंगे। राज्य पुलिस के फोरेंसिक विशेज्ञों ने घटना स्थल का दौरा किया और क्षतिग्रस्त सवारी डिब्बे की जांच की।

मैंने निम्नानुसार अनुग्रह राशि की घोाणा की हैः-

मृतकों के मामले में - 1,00,000/- रुपए प्रत्येक और आश्रितों को नौकरी

गंभीर रूप से घायलों को - 15,000/- रुपए प्रत्येक

मामूली रूप से घायलों को - 5,000/- रुपए प्रत्येक

उक्त तत्काल राहत के अलावा रेल दावा प्राधिकरण के द्वारा निर्धारित मृतकों के आश्रितों को 4 लाख रुपए एवं घायलों को भी प्र ाधिकरण द्वारा निर्धारित राशि का मुआवजा दिया जाएगा। घायलों का मुफ्त इलाज रेलवे की तरफ से कराया जाएगा एवं इलाज के पश्चात् उन्हें अपने परिजनों के पास रेल के खर्चे पर पहुंचाया जाएगा। घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के आश्रित एवं अपंग हुए प्र

ात्येक व्यक्ति को रेलवे में रोजगार मुहैया कराया जाएगा। घायलों को उपयुक्त चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी और गंभीर रूप से जले हुए व्यक्तियों का विशेा उपचार करवाया जाएगा।

महोदय, इस संदर्भ में मैं बताना चाहता हूं कि मैंने वाराणसी के अस्पताल में घायल लोगों को देखा और जो लोग ज्यादा जले हुए थे उन्हें स्थानीय डाक्टरों की मदद से स्पेशल वैन, और स्पेशल कोच से जल्द से जल्द दिल्ली लाया गया, क्योंकि दिल्ली में इलाज की अच्छी सुविधाएं हैं। इन घायलों में 99 प्रतिशत लोग नालंदा जिले के मजदूर और गरीब लोग हैं।

मुझे ज्ञात हुआ है कि माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश ने भी मृतकों के परिजनों को एक लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को पचास हजार रुपए एवं घायलों को पच्चीस हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोाणा की है।

पुलिस क्लीयरेंस के बाद श्रमजीवी एक्सप्रेस को गंतव्य स्थान के लिए रवाना कर दिया गया।

रेल यात्रियों की सुरक्षा हेतु रेलगाड़ियों एवं रेल परिसरों में सतर्कता को बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु राज्य सरकारों को भी सुरक्षा अभियान में मजबूती लाने के लिए कहा जा रहा है।

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : महोदय,...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : No, it is not permitted.

... (*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह : सभापति महोदय, माननीय अध्यक्ष जी ने वायदा किया था कि हम लोगों को एक-एक मिनट का समय बोलने के लिए दिया जाएगा।

MR. CHAIRMAN: I have allowed you because of the gravity of the situation, but it is not permissible under the rules.

श्री मोहन सिंह : हम भी अपनी चिंता माननीय रेल मंत्री जी के साथ व्यक्त करना चाहते हैं और इससे अपने को संबद्ध करते हैं। रेल में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विाय है। यह तथ्य देश के सामने आना चाहिए कि यह दुर्घटना कैसे हुई। कहीं यह उग्रवाद या नक्सल वाद से संबंधित घटना तो नहीं है। यह घटना कैसे भी घटित हुई हो, यह राट्र की सुरक्षा से संबंधित है और इसे गंभीर विाय माना जाना चाहिए। इसके अलावा आरपीएफ, जीआरपी रेल की सुरक्षा कर लेगी, यह गलत धारणा है क्योंकि विस्फोट हुआ है। इसका आंतरिक कारण बताया जाना चाहिए। इस दुर्घटना की पूरी जांच होनी चाहिए कि कहीं नक्सलवादी या उग्रवादी इस घटना से संबंधित तो नहीं हैं। रेल की सुरक्षा के बारे में कुछ बृहद योजना और आगे बढ़ कर सोचने की जरूरत है। मैं सिर्फ यही आग्रह करना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: No discussion please. I will not allow anybody to have a discussion now.

... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : No further discussions. I am sorry, I would not allow anybody to have a discussion. I would not allow that. It is because of the gravity of the situation, I have allowed Shri Mohan Singh to make a few observations. That alone will do, and Shri Sandeep Dikshit can continue.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : सभापति जी, माननीय रेल मंत्री जी ने अभी कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने धन देने की घोाणा की है। मैं बताना चाहता हूं कि घोाणा ही नहीं की, बल्कि आज सुबह जाकर धन बांट भी दिया है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing else will go on record.

(Interruptions) ...*

श्री लालू प्रसाद यादव : सभापति जी, अपराध, चलती ट्रेन के रख-रखाव और ला-एंड-ऑर्डर के मामले राज्य सरकार के अधीन होते हैं, हालांकि हम अपनी जिम्मेदारी से भी इंकार नहीं करते हैं, हम प्रोब करेंगे। ...(व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): If you allow him, then you allow us also to say something.

MR. CHAIRMAN: No. It will be treated as part of his statement.

* Not Recorded.

श्री लालू प्रसाद यादव : प्रोब के बाद ही पता चल सकेगा महोदय कि किन तत्वों का हाथ है। यह निर्णय लिया है कि राज्य सरकार, रेलवे कमिश्नर (सेफ्टी) और इंटैलीजेंस विंग को लेकर इस मामले की हम गम्भीरता से जांच कराएंगे और जो फलाफल आएगा, वह राट्र के सामने रखा जाएगा।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सभापति जी, मंत्री महोदय ने टी.वी. पर कह किया कि इसमें आतंकवादियों का हाथ नहीं है। ...(व्यवधान) It is a very serious matter. He should not have made such a statement. अभी आपने इन्क्वायरी बैठाई नहीं है। इन्क्वायरी बैठाने से पहले घोाणा कर दी कि इसमें किसी भी आतंकवादी का हाथ नहीं है। यह बहुत अनफेयर है। यह कहना कि यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, यह भी ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record because it is not permissible.

(Interruptions) ...*

श्री लालू प्रसाद : मैंने टी.वी. पर नहीं कहा।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैंने स्वयं अपने कानों से सुना और आंखों से देखा है।

श्री लालू प्रसाद : मैंने टी.वी. पर नहीं कहा। मेरा माननीय सदस्य से निवेदन है कि वे बातों को जरा ध्यान से सुना करें। शायद आपने किसी एंकर से ऐसा सुना होगा। जांच के बाद ही कोई निर्का निकल सकता है। ...(व्यवधान)

(Placed in Library, See No. LT 2387/05)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except what the Minister says, and that will be treated as part of his statement. Now, he is repeatedly doing it but it will be treated as continuation of his statement. Though the Minister has spoken two or three times, but it will be treated as part of the same statement.

(Interruptions) ...*

* Not Recorded.

MR. CHAIRMAN : Shri Adhir Chowdhury, you can continue your speech next time.

Now, the House stands adjourned to meet on Monday, the 1st August, 2005 at 11 a.m.

18.00 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock
on

Monday, August 1, 2005/Sravana 10, 1927 (Saka).